<u>-4</u>	२०   दिवर्षेके द्वर्योद्धे द्वर्याव्युवाकायायोग्याकार्ये   दिवकेवर्येवा क्रुवि हेर्म्य   । । । । । । । । । । । । । । । । । ।
<u>-</u> 4	त्रिते वर यो भी यो के खेर चुन्य यञ्चन्य नवर स्वायन क्षित्र में हिते खेर स्वतः स्वयः स्वयः विश्वतः । यो विश्वतः व



वुनाक्षुन्याकाम्मुव्यक्षान्। विवत्रः नार्दे प्योत्वेकामः सुव इत्यायम् सर्देन्यवाम स्तिने सूरश्चेर्वराय उर्सूर्य देर्द्य त्रा से बच्ची बिर्यासा वर्षेत्वर स्वादे स्टाय विष्ठ्य प्राय प्राय स्वाद स्वाद स ন্থিত ব্যুব বন্ধুক দা रेंगान नया सेरावें निर्देश रही अवस्थित र वास्त्रा वास्त्रा वास्त्रा वास्त्रा वास्त्रा वास्त्रा वास्त्रा वास्त्र यासुकाकोयाका उदागुदा क्षीत्य में दि क्षूप्र छेटा हें हे देश नुत्रहें त्रम्य द्वित्य द्रः चरुय है। || おからばかれ |नर्राष्ट्रं न्युरानक्षाक्षे नवन्त्रहेस्रमासर्दिन्थु। 408

श्चित्रयोद्यायत्याः केल्यः है प्रावितः हा

ার্নমামমা

सूर नीत्रसासायर वितायाया सर्वे द्वेर यसू द्वा

यासु अञ्चार से प्रमुक्त असे असे असे असे दिया

।इसेन्द्रियामयायादिन्द्रमान्यायदेकेमा

*ৼ*ঃৡ৾ঽ৾ঽ৾৽৸ঽয়৾৾ৠয়ঽঽঽয়ৡ৸য়৾ঽয়য়

|गहैरासेन्देवशीयोनेराकेवदेशिया

প্রিমামনমারীমুর দ্রমায়ী মুরির ঐ

बिद्धिः स्वारमुस्यादिकः वर्षाम्यान्यादिस्यानेग्या

|१९८१रा ५८: क्रुंचायदे स्टानदेव के सकेशय।

প্রমান্তব্যানমুদ্রেমুদ্রবাধানা খ্রীমের্ক্রদর্শির মান্তব্যাদী।

विद्विर्घत्वुस्यान्ग्रीयद्विरम्यावनुषा

| इंट्रें सहस्रकारा सुकाहें निवेद निवेद निवेद स्थाप 

न्यः क्रेंगः श्लेंद्र यहित्यकेंद्र यही। वितिन्दिर्भेषात्रुयः यसुर्यः दुःग्रवेषा लेश महिन्त्रश ಄ <u>हियाञ्चलसुन्तसुन्तरायाणन्त</u> वहैंगाप्तेवावदान्याम्बदान्या ।। ८ स 겵 |श्रेरिन**ई**त्रू दुर्हि| ने चनित्रम्। *ান্দ্রীয় মননে ব্রুম মার্ক্টরা মনে দেবুলা* la বর্বাইকা **মু**দ্যাঝথা ইক্ষ্ लय:बर्गा मितास्यास्य स्वाप्त के के विश्व स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वापत स् *५५:च्ये* प्यंत्रेशकृष्येत्राह्मराध्यस् रिव्याचेरकुन्यवन्योवकन्यवे *ऻॖॹॱॸक़ॗॸॺॣॸफ़ॼॗॸॱॸढ़ॎॱ*ॴॶ॔ॱॸऻ <u>| र्भगस्यक्रियानक्वासक्यस्य</u> 爱 *ঝ্রিন*র্নুনুনুজ্ঞর্জিদজ্যুংরু ||なぎな J'ন5্বান্থ্যসূত্রনাথায় <del>ই</del>বাথাই) भूका ये अंटर्ड का का **स्**र

विद्यास्य स्वादहर केंद्र प्रावेद प्र के के राजाकार ।

वेश'पश्चर्यकेंद्रवशा

श्चिम्युर्ध्वम्यात्रेर्धेर्यात्यूरग्रीत्रः हुःनवरः

*्राचनवान्द्रस्त्रेवास्याः सर्केवाः वास्यद्रतः नक्केव्यपदि*।

<u>| यर्यक्ष्याश्रह्माश्रह्मश्रह्मश्रह्मा</u>

*्रिया राष्ट्र यद् यर यो वेया राष्ट्रीया तक्ता* 

||ग्राम्पेनवनस्य

विवित्रयत्त्वस्य द्यीयत् विरस्धे सञ्चर् देव

किरास्त्रवयायायतः प्रवेदः ५,५ ग्रेस्ये ५ ग्राहः

त्री वर्श केट चक्षे भी से सकुर्य सुन्य प्रकार के स्वास्त्र के स्वस्त्र के स्वास्त्र के स्वास्त्र के स्वास्त्र के स्वास्त्र के स्वस्त्र के स्वस्त्र के स्वास्त्र के स्वस्त्र के स्व

र्राष्ट्रीत्रक्ष्यश्चार्श्वे रही:यास्प्रवर्षे यहते।

्रित्र विकास प्राप्ति । नित्र प्रसम कर्यीय **प्रेर्म अर्क्य** कर वाश्य प्रहित्य । द्वित वी सर्क्र प्राप्त पर्सेत्य वास के प्रस्ति । क्षेत्र के प्राप्त के प्रस्ति प्राप्त के प्रस्ति । क्षेत्र के प्रस्ति । क्षेत्र प्रस्ति । क्षेत्र

। इत्रायः चर्यात्वेत्र ग्रीक्षेत्र वर्षः क्रिकेट पर्वे हेर्न विदेश राज्य । विषेतः विदेश स्वित स्वित स्वित स्वि

7721	<b>39</b> 1	द्वरायाम्बुसायमा		गर्हेर:कुळेर:चलुराख		গ্রুমান্ট, প্রামান্ট, প্রের্মিন্ ধানা ক					र्रे के देश स्था	II -
	धुसर् वायय नहन स्रो	क्षेत्रसम्सम्म	<del>बुदेखे</del> ूरवग्युर:हुरः	रिक्षा नदि स्ट्रेस द है	্বী	रेर तुःशैस्त्रान्दर्घेद्र	प्रदेशियायायीत् यमुह	নোলগ্ৰন্থীপ্ৰান্	देहेरमञ्जूषाया	বাচ্ব্যব্যস	নিন্দ্র-শূরীপরে	
21	<b>पिन्धरःक्षे</b> यनुः वर्रुगानविद्ये	ষ্ট্রাম নুম <b>রা</b> কুন র	ग्विसस्यायत्वराई हे संग्रहे	र्मिययपञ्जित्समार्थः हे	ोर्ध्या नक्षेत्र नक्षुत्र इस्या	या नुस्रेगुस्य सन्दर्भेन्त्र	র্মুব:মরি:শ্লুব:বাম:প্রম:ঘম	(यश्रसाबिदा) या	<i>पुर</i> :हुरविश्वचवि	র্ক্তরাঝান্ধ্রীকাশা	খন <i>ছ্ৰি হ</i> 'ৰাপ্ৰিৰা	
্ৰন্থ	र्बे । अर-वर-१८ दें	र्गेन्स बुनन्स	22.401 £.5.012	विवर्शेक्षि है।	ब क्रेब स्थायतः तर्वे न्दः।	নই প্রধিত তেরু হৈ ৷	ঝমাগ্রীঝ্রাবর রে		ह्ये वेंद्रक्ष व	ग्री <b>द</b> ास्य र ५५ ।	क्षेत्ररहरा	<b> </b> 4
	গ্রম্মন্য ইম্মন্য	বৰ্ষমান্ত্ৰিহ'৷ স্বাধ্যুদ	र हुर विद्याय विर्वेर यशक्	माम्राज्यः व स्वरः चिवः चिव	, प्रेन्ययन् क्षेत्रस्य यदिंत्	रुष्ट्य । । अर्रे सुङ्गान्य	ब्रिज्देवेया य	य.ल.इंड्इंड	ব্ৰ্য়ন্ত্ৰ পৰ্ট্য	ने चनित्रन्	नहीं रहा	
괇	নহ: শাহ্ম অব্দে	पट्ट गीतु <del>५ दे दे र</del> ूर	<i>।यापाद्द्वद्वश्चास्</i> वाहे	हि शक्षेत्रहें	নৃষ্ণ:হ্বা:চু:ঘট্ট্র্ডিন:ই	মেইনি শ্বাক্তমনশ্বনার্ভন ক্র	भक्ते <del>दश्चीतुत्रसम्बन्</del> द्वादे	ি দিশৰীৰেম্বৰ	य <i>न्</i> रा 5:न	יקדין מקז	ংব'ম'র্ম্মবার্ম'	1

दिवशहेशर्द्ववासायर्रायदिन द्वार सूर्व दन प्राप्तीय मुद्रे िर्भविद्यान्य वर्षे वे क्षेत्र क्ष र्देव पर्द्योग्ययर इत् क्रेंट पर्दर । इत् क्रेंट य प्येत राजाहेकायका न्दः रेविः अप्रयः वर्षे न्द्रः दयनः यो हे सः वेद्यः या सैवः या याद्यः यदी। गुब्दाच बदाई है। वहें बदा के रेग्राराष्ट्रते न्यरसर्केन स्वन्द्र्यार्थेताः वेयामग्रुसः क्षेत्रस्य हेरायहास्य **थे:वेशयृदीयर्वेग**नुदेश्चिम् ইনামান্ত্ৰীনুমেইনান্ত্ৰিনুমুমমা Ų}

केंग क्रेंट प्रविद्देश सुब **ર્જે**ગ્રાચાર્કેન્ પોત્ર શ્રીસાસફેસાત્ર સાસાફ वेश:इंश:सद:सद:दुर्श्वास्त्रम् ग्रीह ইমুমন্থ্ৰামন্ত্ৰীমন্বীন্মামৰ্থনাঃ **व्यायान्यायान्यान्यान्यान्यः** 

ন্ন মনি দ্বনামানি কুঁ মেমনি নির্মামমান্ত্রীন মনি শ্লীন নামনি নিমানুর্বি रित्यार्से्र्यासम्बद्धार्या वो यक्कियंद्र स्र्रेस्य यक्कियंद्वर स्ट्रिस्ट्र यह य 

क्षे । त्यान्य स्वयं अत्यान्य स्वयः । त्यान्य स्वयः त्यान्य स्वयः । त्यान्य स्वयः स्वयः । त्यान्य स्वयः । त्यायः ।

न्धित क्षेत्रगात दूँ भी क्षुन्नन्ने से से बहुअस्य स्रेन्द्रेन इसका उन्हें हिते र न सुर हु रेसन्दे रून भेनेका क्री से से नसुन दनर नदे सुन

सर्वेदायायादी सीयमें हिला ট্রামার্মগার্মার্ট্রনিট্রামাঃ वनराजेशयाहैशयी न्यळेंगातुः दें हे तहें व यदे नगद नविव ५ % ন্ব্যামনী মন্ত্র সূর্যা মাধ্য ग्रीक्ष *অন্যাস্ক্রমহামার্ডন্*রেন্সমার্টাঃ न्यूरनश्र्राचरत्राश्रुराप्त्रा ।नेवयःनगरःश्रेवःग्रुदे। শন ক্রিয়া ।पि क्षेत्रास विवर्धे स्टास स्त्रीय स्त्रीय हिंदा हो त्या ানবাৰা:নম:মনুমৰামানা মুর্নীর গ্রহার হে বাধ্যুমানম। **|| यर्गाउगास्यश्रं यश्ररायरारळेयाः** अक्रय यहायन्य अन्ति यायहिते वैवाये न्ट से म्वि विक्र तुर्ही विके ने स्रे हुंड रद्धित्यम्बिन्च्यस्यः श्रीवायमायस्यितः ন্ধ নধ নগ্রিম ক্র বাইপ ইন্ র্রি নরা सक्रेन्यायुन्दः वाहेर्स्यावासुस्यायस्यस्य हो। बिर तर्से अध्य अदिन हु बेर नव अदिन्यू से नहत्व सक्षेत्र से दिन दे कि दे तुस्य प्रमुन अने दिन य প্রুইটির ইছি।

ोर्न्स्वयःम्हण्युतः<u>स</u>्र्ह्मेत्रान्धेययःन्धयःस्त्रयःहेन्।

|रेदकेदर्भाषान्यरसकेतानीक्त्रक्रीश्रायक्त्र

। अँद्विभेदे भेरे अस्य प्रस्ट हैं।

| बर्केन पेर्वितरी नविषातरी र विवानक्र नक्षी

ঝ'দ্ব ાભૂસાયાં વેત્ર્વાગત્ર ત્રેણું রেম'ঘরম र्रेतारी सम्मा জেইোগ <sup>।राड्डे</sup>| **শ্বদ্যাঝথা** ইক্ষন রেম'রমা **518** 521 न्वन्य हुई यो यु दूर्य यके द्या भूतपायर्था<u>क</u>्षाच्यययद्ग्री। ।शुंद्रभदे कुल 15'7'बेंब'75'राजीब'75'5'युब <u>|</u>कुषान्यस्तुषाः हे 'द्र्योषाद्यवय

|ঝন্দম্ম মিখ্রীর্মামা प्रुकुर्यात्र्ये कुन्य प्रेया

**।**केरान्यहें दाराया <u>|বন্বাই ইনেইব ঘটনী ইৰিমান্ত্ৰাম কৰি শ্ৰুবা আৰেট্য ক্ষিত্ৰ আন্তৰ শ্ৰীট্ৰ দুৰ্ভি নিজে কৰি কৰি যা বিৰুদ্ধ শ্ৰুম</u> ्रभुको बिन्द्यीका करिने वाका प्रति । यह विकास करिने का कार्या के किया के किया के किया के किया के किया के किया क

गर्नेरवानविनाकामा रेकायुर्वे व्यवस्था নাউবা দ্যাম ইবি ট্রিকাঝ মেন্ত্রীররকা

विषामासुरकाराय प्रकासा *বার্বস্ট্রুব*ংইর ইনেক্য

लेश महें नरें।

| न्यीय वर्षेत्र केर्दे चेर्ते चुन्न अवस्त्रीत् मते व्येष्ण अक्क केर्दे चार्या वर्षा |বাইবার্বার্থির স্ত্রীবাঝাম |ব্যবর হ্বাপ *। सत्दर्भन्न जोस*नक्षुरन्नरः नश्चे। <u>| ५७० विस्तिर देव ५ वसुल ५ वस्ति।</u>

্যবর্হমান্ত্রমান্তরেই মার্কামার বিদ্যালয় পুরুষুর কে 겵 ಄ *[* গ্রুব্রু रियोगाय कर क्रिया है विस्थान वित्र दुः स्टर्ग गलन दुः दुः दिन् न्द्रिः दूः इंद्रियंत গ্রীর্মীন্দ:মুমানামারীরামানা <u> बुक्रमू पार्च कृत्र पार्च</u> র্জু নির্মুমা <u>श्रम्भ</u> *ब्रुंब्युवच*र्ज ন্থুনা স্থুব **उँगार्मे**र्गा মু'ঝ'বব্দম'নডম'নাপ্নাম বর্যাবাঝ'বশ্রহরঝ' ग रायर्ट्स यार या स्वीता यह सूरते स्व से से में देश सूर क्षेत्रस्य या व्यवर दर हुट हुट हर वार्विय यदे सूर दर किर सुवा हू। এবা মইএবো অব্যানকা ন<u>ই</u> মিরিনা केषानई दायका জুঁ*'* দূৰ'দূৰ'<u>দু</u>ঁ'খন। থেয়া 25 अूँ से देवे नहीं दास द्रहू हुँ हुँ यत ग्रेम महिंग सहस्र यह है है दे पर नहीं न गुँर त्यें चैं। य. युग यहूर सम्प्रीय वाचन मान सम्मित्या सम्मित्या सम्मित्या सम्मित्या सम्मित्या सम्मित्या सम्मित्या नित्रणर्रे हे निर्देश तुत्रहेत राज **दूँ** गीसुह्म विरा हुं हु यार पश्चर तथा मर रायालय पश्चरायालू प्रमेर प्रहेर हुर से प्रायं की प्रायं कुर प्रायं हुर प्रायं कराया वा र्हे हे है अ सुन्धुर अर्थेर वेर्न् न्यूबा वार्ने न्या। | पश्रावितायहवास्याव्ये। चार्द्धस्य मन्द्रस्य सम्बद्धिः स्वायः स्युक्त दिन्दा सरुवा सम्बद्धि हो ক্ষিটে ক্রিকার্ট विक्रियेश्वर वर्धेर वस्र क्षेत्राश्राधीक्षेत्रः यगीया रा.स्ट.। वियोद्याराज्येर प्रस्ट्याराप्टर ारे:अर:मञ्जूर:**ञ्जू**राह्म

। विशेष राजेविष यर राज्यस्य राज्यसङ्घरा द्वी सेट र् है ते हीवायो न्दासे कें विविद्धस्य सुद्धते ह्वानस्य न्दा सक्स राज्यसङ्गर सुर्वे से सिंद विश्ववात्रवीवरत्व्यवात्रम्भयम् स्ट्रिय्यम् स्वत्यम् स्वत्यम् यार्याना इसमासु शुरी ह्याचे पर प्राप्त प्र प्राप्त प्रापत प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त . चीचीमाक्किमानरीयोष्ट्रस्तिस्यारेगोमाक्किमाचिनामाक्षीयांस्यामान्यांस्यामान्यां पदीक्री नरीर्यक्षेमा र्रुपर्राष्ट्राज्ञ। स्थाज्ञ। हाम्बन्धेत्राज्ञक्रेन्तुःस्याहराह्याहराह्याहराह्या ने इस्रयाय नवीवाय नक्षुन्। र्तायो चनाम क्रियो स्ट्रा विकास मित्र प्राप्त स्थाप्त प्राप्त स्थाप स्था गान्दापराई हिन्दा रदक्षित्स्नत्वेगामी**श**रदायदेवामदिषीम्।वात्तानवद्यी के स्टास्याया में हिन्दिया में हिन्दिया में स्टिस्य स्टार म्यायाया गुम्या स्टिस्य स्टार हे से स्टास्य नर्तु इस्ट्रेस्ट्रेस्ट्रेस्ट्रा र्शे.वैदायर्श्ववायाः यदियः द्वीयाः यदे पी. चुन्त्रस्य यद्वीवायाः ययः चुति। <u> ५८ से तुम्र यसू में बढ़ी</u> ||বাৰ্ডম দম্বুৰীৰ দু,ন্তু নামাবাৰ্ডমানম| ૹૣૻૼૼૼૼૼૼૼૼૼૼૹૡ૽ૼૢૼૼૹ૱<u>ૢ</u>ૹ૽ઌ૽૽ૢ૽ૢૼઌૢઌ૽ૼ૿ পুঁ সৰ্জে প্ৰীদৃশ্যুদ্ৰন্মী দ্বৰ দ্বৰ দুঁ শ্ব। क्रेश्रायन्यासुरा चर्हेन्त्रस्

सकुःतस्र न वस्रकार्य ग्राम्स्री नुसामते न्वीनकार्य ताद्र नगरचेते रहा चलेव धूर-गुर्-यविद्याद्र रेवचें केरे विस्वाय इसरा शु मुर्दे दर ययग्रम् #555° SV क्षेत्रवैदेश्वन्यम् हिंह रोस्रय द्यार हें हे स्रोस्रय स्थी |गुवगुम्बयार्बेरःस्नुवागुम्देवकवारक्व